कार्यालय प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बारां

E-Mail ID :- principalgcbaran@gmail.com Ph. (O) 07453-230072

क्रमांक :– दिनांक :–

महाविद्यालय का कुल एरिया 11 Acre Built up 11237 63 Squiremeter है जिसमें महाविद्यलय भवन के सामने स्थित दोनो पार्क एवं महाविद्यालय की चार दिवारी के साथ–साथ पैड पौधे लगे हुए है।

दोनो पार्को में पुराने सफेदा के पेडो को हटाया गया है। क्योकि बहुत पुराने हो चुके है और उनकी जगह नये पेड लगाये गये है।

(प्रथम फेज)

महाविद्यालय परिसर के सभी छोटे–बडे पेड पौधो की ग्रीन ऑडिट कमेटी द्वारा ऑडिट का कार्य किया गया है। इसमें महाविद्यालय के सम्पूर्ण परिक्षेत्र को तीन जोन में बाटां गया है।

Zone –I महाविद्यालय को चार दिवारी खेल प्रांगण एवं अस्पताल परिसर के साथ का एरिया

Zone –II महाविद्यालय भवन के सामने स्थित दोनो पार्को का एरिया

Zone –III महाविद्यालय भवन के दायी तरफ भूगोल विभाग के सामने का एरिया

इन तीनो जोनो में छोटे बडे सभी पौधो की गिनती की गई जो लगभग 380 पौधो है। हर वर्ष नये पौधो लगभग 100 लगाने का निणर्य लिया गया है। इन पौधो पर (4*8 इंच) छोट पेडो पर एवं मध्यम आकार के पैडो पर (6*10 इंच) साइज बडे पेडो पर (8*12 इंच) की इंच की नामकरण पट्टिका लगाई जावे।

(द्वितीय फेज)

रसायनशास्त्र से निकलने वाले रसायन धुले हुये पानी को लेब के पास गढ्ढा खोदकर उसमें डाला जाता है। प्राणीशास्त्र प्रयोगशाला से निकलने वाला कचरा वनस्पति शास्त्र प्रयोगशाला, है। बायो डिग्रेडबल एवं नॉन बायो डिग्रेडबल को अलग तरीके से डिस्पोज किया जाता है। गढ्ढे में डालकर जैविक खाद बनाई जाती है।

नॉन बायो डिग्रेडेबल कचरा जैसे प्लास्टि, लोहा, एवं इलेक्टानिक सामग्री, कॉच के टुकडे का निस्तारण नीलामी एवं नष्टीकरण द्वारा किया जाता ळें

(तृतीय फेज)

प्राचार्य
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बारॉ (राजस्थान)

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय जलवायु में बढते तापक्रम को कम करने के लिए महाविद्यालय परिसर में कचरा नहीं जलाया जाता है एवं 30KWP Grid Connected SPV Power plant सोलर पैनल से उत्पन्न बिजली को राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को दिया जाता है एवं कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता की जाती है। विभिन्न कार्यक्रमों में छात्र–छात्राओं/स्टॉफ सदस्यों को व्हीकल कम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है। शहर के भीतर के कार्यो को करने के लिए साइकल का उपयोग किया जाये। महाविद्यालय में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगा हुआ है जिससे पृथ्वी के अन्दर के भूजल स्तर को बढाने में मदद मिलती है और यह हरियाली में वृद्वि करता है। महाविद्यालय में पौधा रोपण प्रति वर्ष किया जाता है एवं पेड पौधो की देखभाल की जाती है।

ग्रीन कमेटी द्वारा दिये गये सुझाव

1. सभी पेड–पौधो को गेरू रंग एवं सफेद रंग से रंगा जाये।
2. सभी गार्डनो में दीवार के पास ईट लावाकर सफेद रंग से रंगवाया जाये।
3. महाविद्यालय परिसर में 300 नये पौधे लगवाये जावे जोकि महाविद्यालय की मुख्य बिल्डिंग से कम से कम 20 फीट की दूरी पर लगवाये जावें। महाविद्यालय की चार दीवारी के पास पेड पौधों की दूसरी पंक्ति भी लगवाई जावें।

ग्रीन ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट (2 पृष्ठीय आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है–

1. श्री दीपक कुमार (संयोजक)
2. श्री रामकेश मीणा (प्राणीशास्त्र)
3. श्री गोविन्द सिंह मीना
4. श्री विवेक कुमार नागर
5. डॉ लीनता अरोडा

प्राचार्य प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बारां महाविद्यालय
बाराँ (राजस्थान)

Scanned with OKEN Scanner

ENERGY CONSUMPTION ANALYSIS

1- Solar power installation resulted into reduced power consumption from the city metered power supply.

2- This is evident from the comparison of 2018 & 2019 power consumption data (Units) of the months Aug., Sep., Oct., Nov., & Dec.

3- Green initiation of solar power installation in 2019 resulted into reduced power supply from the city metered power supply as compared to 2018. This can be seen in the following way :-

MONTH	POWER CONSUPTION IN UNITS (2018)	POWER CONSUPTION IN UNITS (2019)
AUG	1849	736
SEP	2250	416
OCT	1519	726
NOV	2449	349
DEC	987	278

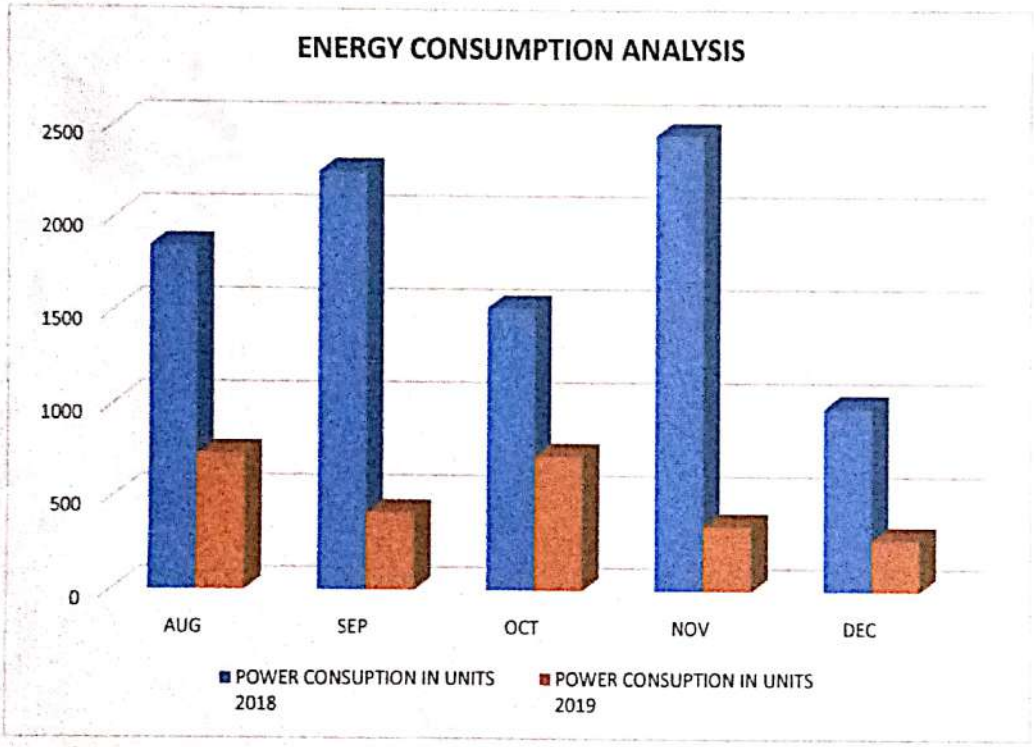

प्राचार्य
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बारॉं (राजस्थान)

Scanned with OKEN Scanner